

---

shrI subrahmaNya pancharatnaM

श्रीसुब्रह्मण्य पञ्चरत्नम्

Document Information

---

Text title : shrI subrahmaNyaPancharatnaM

File name : subrapancharatnam.itx

Category : pancharatna, subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Latest update : March 15, 2006

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 16, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीसुब्रह्मण्य पञ्चरत्नम्



विमलनिजपदाब्जं वेदवेदान्तवेधं  
ममकुलगुरुदेहं वाद्यगानप्रमोडम्  
रमणसुगुणजालं रङ्गराढ्भासितनेथम् ।  
कमलजन्तुपादं कार्तिकेयं भजामि ॥ १ ॥

शिवशरवणजतं शैवयोगप्रभावं  
भवहितगुरुनाथं भक्तवृन्दप्रमोदम् ।  
नवरसमृद्धपादं नादद्वीकाररूपं  
कवनमधुरसारं कार्तिकेयं भजामि ॥ २ ॥

पाकारातिसुतामुभाब्जमधुरं बालेन्दुमौलीश्वरं  
लोकानुग्रहकारणं शिवसुतं लोकेशतत्त्वप्रदम् ।  
राकायन्द्रसमानयारुवदनमम्भोरुहवल्लीश्वरं  
द्वीकारप्रणवस्वरूपलडरीं श्रीकार्तिकेयं भजे ॥ ३ ॥

महादेवजतं शरवणभवं मन्त्रशरभं  
महत्तत्त्वानन्दं परमलडरीमन्दमधुरम् ।  
महादेवातीतं सुभगणयुतं मन्त्रवरदं  
गुह्यं वल्लीनाथं मम हृदि भजे गृह्यगिरिशम् ॥ ४ ॥

नित्याकारान्निषिलवरदं निर्मलं ब्रह्मतत्त्वं  
नित्यन्देवैर्विभुतं यरणं निर्विकल्पाद्योगम् ।  
नित्याढ्यान्तं निगमविहितं निर्गुणन्देवनित्यं  
वन्दे मम गुरुवरनिर्मलं कार्तिकेयम् ॥ ५ ॥

॥ इति श्रीसुब्रह्मण्यपञ्चरत्नं सम्पूर्णम् ॥

कार्तिकेयपञ्चकं

*shrI subrahmaNya pancharataM*  
pdf was typeset on September 16, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

